Khwaja Moinuddin Chishti Language University,

Awadh Incubation Foundation

Ideas to Impact 2026: Innovation Hackathon

The Awadh Incubation Foundation (AIF), Khwaja Moinuddin Chishti Language University (KMCLU), Lucknow, successfully organized the "Ideas to Impact 2026 – Innovation Hackathon" on 28 March 2026, to promote innovation, entrepreneurial mindset, and practical

Inaugural Ceremony

problem-solving among students from diverse institutions. The hackathon served as a dynamic

platform for participants to present innovative ideas and prototypes across emerging sectors, encouraging the transformation of concepts into impactful solutions.

The event commenced with a Lamp Lighting Ceremony, followed by the Kul Geet, setting an inspiring and formal tone. Prof. Ajay Taneja, Hon'ble Vice-Chancellor, KMCLU, delivered the

welcome address, emphasizing the importance of innovation-driven entrepreneurship. Prof. Syed Haider Ali, Vice-Chairman of the Awadh Incubation Foundation, shared insightful thoughts and encouraged participants to develop practical, scalable ideas. Distinguished speakers, including Prof. Mirza S. Saiyadain (IIM Ahmedabad), Mr. Mukesh Bahadur Singh (Indo-American Chamber of Commerce), and Mr. Nripen Bhatt (Rafts and Rivers LLC), addressed the participants and shared valuable insights on innovation, leadership, and the startup ecosystem. The dignitaries were honoured with mementos and saplings, reflecting respect and a commitment to sustainability. The session concluded with a vote of thanks by Dr. Doa Naqvi, Chief Operating Officer, AIF.

The hackathon witnessed enthusiastic participation from 42 teams comprising 130 students, representing 14 institutions, creating a competitive and collaborative environment.

Lamp Lighting Ceremony

Participating Institutions included: Chhatrapati Shivaji Maharaj University (Kanpur), School of Management Sciences (Lucknow), Rajkiya Engineering College (Banda), Maharishi

Memento Ceremony

University of Information Technology (Lucknow), RR Institute of Modern Technology (Lucknow), Babu Banarasi Das Northern India Institute of Technology (Lucknow), Kali Charan PG College, Sam Higginbottom University of Agriculture Technology and Science (Prayagraj), Dr. A.P.J. Abdul Kalam Technical University, Lucknow University of Lucknow, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University (BBAU), Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow, Babu Banarasi Das University, Lucknow and R.R. Group of Institute, Lucknow.

ti Language U
ity, Luck
KATHON
Shri Yogi Ad
Prof. (Dr.) Syed Haider

Language
sity, Lucknow
ACKATHON

Khwaja Moi
hishti Language U
y, Lucknow
SHIVAM TECHNO
11:00 A.M.,

waja Moinuddin C
IDEAS TO IMP
Distinguished Jury Member

Prof. (Dr.) Syed Haider Ali
Vice Chairman, AIF

e University,
TION HACKAT
Distinguished
Jury Member

Hackathon Execution Phase

During the Hackathon Execution Phase, participants presented their ideas and prototypes before an expert jury panel. Each team was given 10–15 minutes to present, followed by interactive discussions. The presentations reflected creativity, innovation, and a strong focus on addressing real-world challenges. Projects were evaluated on parameters such as

innovation, feasibility, scalability, and overall impact. The session was highly interactive, with

judges actively engaging with participants and offering valuable feedback. A distinguished panel of judges, including Mr. Nripen Bhatt, Prof. Mirza S. Saiyadain, Dr. Saima Aleem, Mr. Madhvendra Porwal, Dr. Hemant Kumar Singh, Dr. Raza Haidri, Mr. Zafar Ahmed, Prof. Musheer Ahmed, and Mohammad Osama, conducted the evaluation process with fairness and expertise. Following the presentations, a structured evaluation and jury deliberation session was conducted. The process involved detailed project review, scori ng, and discussions, ensuring a transparent and merit-based selection of winners. The hackathon concluded with a prize distribution ceremony, recognizing outstanding teams for their innovative ideas and impactful solutions. The event not only celebrated creativity but also encouraged students to pursue entrepreneurial journeys with confidence.

Valedictory Session

The Valedictory Session marked the formal conclusion of the "Ideas to Impact 2026 –Innovation Hackathon" and commenced with the arrival and seating of dignitaries. The session

began with a welcome address by Prof. Syed Haider Ali, who appreciated the enthusiastic participation of students and emphasized the importance of innovation and entrepreneurship in today's dynamic environment. A detailed Hackathon Report was presented by Dr. Shan-e-

Prize Distribution Session

Fatima, highlighting key activities, participation, and outcomes of the event. This was followed by jury remarks and feedback, where experts shared valuable insights, constructive

suggestions, and encouragement for participants to refine and scale their ideas. A special session on transforming ideas into successful startups was conducted by Ms. Niyati, Communication & Operations Manager, Rafts and Rivers LLC, and Mrs. Sunita Singh, Founder, Shivam Techno Studio 2.0. They shared practical guidance on startup development,

execution strategies, and opportunities for growth. Additionally, Mr. Nripen Bhatt addressed

the participants, motivating them to build confidence, embrace innovation, and convert their ideas into impactful solutions. The Valedictory Session concluded on an inspiring note, acknowledging the efforts of participants, organizers, and mentors, and reinforcing the commitment to fostering a strong entrepreneurial ecosystem.

Group Photographs Session

News headlines

"Ideas to Impact 2026" इनोवेशन हैकाथॉन सफलतापूर्वक सम्पन्न

❑ कार्यक्रम में लगभग 150 प्रतिभागियों ने लिया भाग

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन (AIF) एवं Khwaja Moinuddin Chishti Language University, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में "Ideas to Impact 2026: Innovation Hackathon" का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित अटल हॉल में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो 5 शहरों के 14 शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित थे। प्रतिभागियों द्वारा अपने अभिनव विचारों, स्टार्ट-अप मॉडल्स एवं तकनीकी प्रोटोटाइप्स का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। हैकाथॉन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से सशक्त बनाना तथा स्टार्ट-अप एवं नवाचार संस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान इंडस्ट्री 4.0, फिनटेक, ग्रीन एंटरप्राइजेज एवं स्किल डेवलपमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रतिभागियों ने अपने समाधान प्रस्तुत किए, जिनका विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं तथा उन्हें आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने हेतु प्रेरित करते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस प्रकार के नवाचार-आधारित कार्यक्रम सरकार की युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करने की अवधारणा को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

कार्यक्रम में प्रो. सैय्यद हैदर अली (उपाध्यक्ष, AIF) एवं डॉ. नकवी (मुख्य संचालन अधिकारी, AIF) सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी, शिक्षाविद एवं उद्योग विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

'आईडियास टू इम्फैक्ट 2026' इनोवेशन हैकाथॉन सफलतापूर्वक सम्पन्न

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन एवं Khwaja Moinuddin Chishti Language University, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में "Ideas to Impact 2026: Innovation Hackathon" का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित अटल हॉल में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो 5 शहरों के 14 शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित थे। प्रतिभागियों द्वारा अपने अभिनव विचारों, स्टार्ट-अप मॉडल्स एवं तकनीकी प्रोटोटाइप्स का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया।

हैकाथॉन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से सशक्त बनाना तथा स्टार्ट-अप एवं नवाचार संस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान इंडस्ट्री 4.0, फिनटेक, ग्रीन एंटरप्राइजेज एवं स्किल डेवलपमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रतिभागियों ने अपने समाधान प्रस्तुत किए, जिनका विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति Prof. Ajay Taneja ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं तथा उन्हें आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने हेतु प्रेरित करते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस प्रकार के नवाचार-आधारित कार्यक्रम सरकार की युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करने की अवधारणा को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

कार्यक्रम में Prof. Syed Haider Ali (अध्यक्ष, AIF) एवं Dr. Doa Naqvi (मुख्य संचालन अधिकारी, AIF) सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी, शिक्षाविद एवं उद्योग विशेषज्ञ उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को 10515 मिनट की प्रस्तुति का अवसर प्रदान किया गया, जिसके आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 5000, 3000 एवं ?2000 की पुरस्कार राशि तथा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विशेष रूप से, चयनित प्रतिभागियों/टीमों को अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन (AIF) के अंतर्गत 'इन्क्यूबेटीज़' के रूप में सूचीबद्ध किया जाएगा, जिससे उन्हें भविष्य में मेंटरशिप, संसाधन एवं स्टार्ट-अप समर्थन उपलब्ध कराया जा सके। यह आयोजन विश्वविद्यालय में नवाचार एवं स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

नवाचार से युवाओं को स्वरोजगार के लिए मिलेगा प्रोत्साहन : कुलपति

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन एवं मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में 'प्रभाव के लिए विचार 2026: इनोवेशन हैकाथॉन' का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित अटल हॉल में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो 5 शहरों के 14 शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित थे। प्रतिभागियों द्वारा अपने अभिनव विचारों, स्टार्ट-अप मॉडल्स एवं तकनीकी प्रोटोटाइप्स का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। हैकाथॉन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से सशक्त बनाना तथा स्टार्ट-अप एवं नवाचार संस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के

■ 'प्रभाव के लिए विचार : इनोवेशन हैकाथॉन' इनोवेशन हैकाथॉन सफलतापूर्वक सम्पन्न

दौरान इंडस्ट्री 4.0, फिनटेक, ग्रीन एंटरप्राइजेज एवं स्किल डेवलपमेंट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रतिभागियों ने अपने समाधान प्रस्तुत किए, जिनका विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हैं तथा उन्हें आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने हेतु प्रेरित करते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इस प्रकार के नवाचार-आधारित कार्यक्रम सरकार की युवाओं को स्वरोजगार हेतु प्रोत्साहित करने की अवधारणा को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम में प्रोफेसर सैयद हैदर अली (उपाध्यक्ष, एआईएफ) एवं डॉ. दुआ नक़वी (मुख्य संचालन अधिकारी, एआईएफ) सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारी, शिक्षाविद एवं उद्योग विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

प्रोत्साहित

इनोवेशन हैकथान में अनिकेत और उनकी टीम बनी विजेता

लखनऊ : अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन (एआइएफ) एवं ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में "आइडियाज टू इंप्रैक्ट 2026: इनोवेशन हैकथान का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया। इसमें 42 टीमों के 130 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो पांच शहरों के 14 शैक्षणिक संस्थानों से संबंधित थे। प्रतिभागियों ने अपने अभिनव विचारों, स्टार्ट-अप माडल्स एवं तकनीकी प्रोटोटाइप्स का प्रदर्शन किया। अनिकेत दुबे, ऋषभ कुमार शर्मा व टीम ने पहला स्थान जीता। नूर अंशान की टीम उप विजेता रही।

विद्यार्थियों को मिली स्टार्टअप की जानकारी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय व अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन की ओर से आयोजित इनोवेशन हैकाथॉन में विद्यार्थियों को अभिनव विचारों के साथ स्टार्ट-अप व इनोवेशन की नई जानकारी दी गई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. सैयद हैदर अली ने की। इस दौरान अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन मुकेश बहादुर सिंह ने कहा कि आज के युवा केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि अवसर सृजित करने वाले बनने की क्षमता रखते हैं। ऐसे हैकाथॉन नवाचार को वास्तविक प्रभाव में बदलने का सशक्त माध्यम हैं। अंत में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने भी विचार रखे। (संवाद)

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में आइडियाज टू इम्पैक्ट 2026

हैकाथॉन संपन्न, युवाओं ने दिखाए नवाचार के रंग

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय एवं अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "Ideas to Impact 2026 Innovation Hackathon" का भव्य समापन विश्वविद्यालय के अटल हॉल में हुआ। इस आयोजन ने युवाओं को नवाचार और उद्यमिता का प्रभावी मंच प्रदान किया। हैकाथॉन में पांच शहरों के 14 शैक्षणिक संस्थानों से करीब 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।प्रतिभागियों ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, इंडस्ट्री 4.0, फिनटेक और ग्रीन एंटरप्राइजेज जैसे विषयों पर अपने स्टार्टअप मॉडल और तकनीकी प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं की रचनात्मकता को नई दिशा देते हैं और 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेषज्ञों के मूल्यांकन के बाद विजेता टीमों को क्रमशः 5000, 3000 और 2000 रुपये की पुरस्कार राशि के साथ प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। हैकाथॉन की विशेष उपलब्धि यह रही कि चयनित टीमों को अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन के तहत इन्क्यूबेटीज़ के रूप में शामिल किया जाएगा, जिससे उन्हें मेंटरशिप, तकनीकी संसाधन और स्टार्टअप सपोर्ट मिल सकेगा। कार्यक्रम में प्रो. सैयद हैदर अली (उपाध्यक्ष, ढुस्न), डॉ. दुआ नकवी (सीओओ, ढुस्न) सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षाविद और उद्योग विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

مسائل کے حل میں ہی پوشیدہ ہے اختراع کا اصل جوہر: پروفیسر اجے تنیجا

لینگویج یونیورسٹی میں آئیڈیاز ٹو امپیکٹ کے عنوان سے ہیکاتھون کا انعقاد

لکھنؤ، 28 مارچ۔ خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں اودھ انکیوبیشن فاؤنڈیشن کے زیر اہتمام اٹل ہال میں آئیڈیاز ٹو امپیکٹ کے عنوان سے ہیکاتھون کا انعقاد کیا گیا۔ اس ہیکاتھان میں چار شہروں کے چودہ مختلف تعلیمی اداروں سے تقریباً 150 طلبہ نے اپنے تخلیقی اور اختراعی آئیڈیاز کے ساتھ شرکت کی۔ اس موقع پر اس پروگرام کے مقاصد اور اس کی ضرورت و اہمیت پر روشنی ڈالتے ہوئے اے آئی ایف کے وائس چیئرمین پروفیسر حیدر علی نے کہا کہ اس پروگرام کا بنیادی مقصد نوجوانوں میں تخلیقی سوچ کو فروغ دینا، انہیں عملی مسائل کے حل کے لیے تیار کرنا اور ان کے اندر انٹرپرینیورشپ کے رجحان کو مستحکم کرنا ہے۔ انھوں نے واضح کیا کہ آج کا دور صرف معلومات حاصل کرنے کا نہیں بلکہ ان معلومات کو بروئے کار لا کر نئے مواقع پیدا کرنے کا ہے۔ ایسے میں ہیکاتھون ایک ایسا پلیٹ فارم فراہم کرتا ہے جہاں طلبہ اپنے نظریاتی علم کو عملی تجربے میں تبدیل کرتے ہیں، ٹیم کی صورت میں کام کرنا سیکھتے ہیں اور محدود وقت میں موثر حل پیش کرنے کی صلاحیت پیدا کرتے ہیں۔ اس تقریب کی صدارت کرتے ہوئے لینگویج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ موجودہ عہد تیزی سے بدلتی ہوئی ٹیکنالوجی، مسابقتی معیشت اور جدت پر مبنی ترقی کا دور ہے جہاں کامیابی کے لیے صرف روایتی تعلیم کافی نہیں بلکہ تخلیقی سوچ، مسئلہ حل کرنے کی صلاحیت اور انٹرپرینیورشپ ناگزیر ہو چکے ہیں۔ انھوں نے زور دے کر کہا کہ ہیکاتھون جیسے پلیٹ فارم طلبہ کو محض نظریاتی علم تک محدود نہیں رکھتے بلکہ انھیں عملی تجربات، ٹیم ورک اور حقیقی مسائل کے حل تلاش کرنے کا موقع فراہم کرتے ہیں۔ انھوں نے کہا کہ آج کا نوجوان اگر اپنے آئیڈیاز کو عملی شکل دینے کی ہمت کرے تو وہ نہ صرف اپنے لیے بلکہ سماج کے لیے بھی نئے مواقع پیدا کر سکتا ہے۔ انھوں نے طلبہ کو ترغیب دیتے ہوئے کہا کہ وہ ملازمت کے متلاشی بننے کے بجائے روزگار فراہم کرنے والے بنیں اور اسٹارٹ اپ کلچر کو فروغ دیں۔ ان کے مطابق اختراع صرف نئی چیز ایجاد کرنے کا نام نہیں بلکہ موجودہ مسائل کے بہتر، موثر اور قابل عمل حل پیش کرنے کا عمل ہے۔ پروفیسر تنیجا نے مزید کہا کہ یونیورسٹی کا بنیادی مقصد صرف ڈگری دینا نہیں بلکہ ایسے باصلاحیت، خود اعتماد اور ذمہ دار شہری تیار کرنا ہے جو بدلتی ہوئی دنیا کے تقاضوں کو سمجھتے ہوں۔ انھوں نے اس بات پر بھی روشنی ڈالی کہ یونیورسٹی میں انکیوبیشن سینٹر، ورکشاپس اور ہیکاتھون جیسے پروگرام اسی وژن کا حصہ ہیں، جن کے ذریعے طلبہ کو عملی دنیا سے جوڑا جا رہا ہے۔

اس ہیکاتھون میں مختلف تعلیمی اداروں کے طلبہ نے نہایت اعتماد اور مہارت کے ساتھ اپنی تخلیقی کاوشوں کو پیش کیا۔ ماہرین پر مشتمل جیوری نے ان پیشکش کا باریک بینی سے جائزہ لیا اور پیش کردہ تصورات کی افادیت، جدت، عملی امکان اور سماجی اثرات کو مدنظر رکھتے ہوئے فاتحین کا انتخاب کیا۔ مقابلے میں نمایاں کارکردگی کا مظاہرہ کرنے والوں کو انعامات سے نوازا گیا جہاں اول، دوم اور سوم پوزیشن حاصل کرنے والوں کو بالترتیب 5000 روپے، 3000 روپے اور 2000 روپے کی نقد انعامی رقم کے ساتھ توصیفی اسناد (سرٹیفکیٹس) بھی پیش کیے گئے۔ یہ انعامات نہ صرف طلبہ کی حوصلہ افزائی کا ذریعہ بنے بلکہ انہیں مستقبل میں مزید بہتر کارکردگی کے لیے ترغیب بھی فراہم کی۔ خصوصی طور پر منتخب کیے گئے طلبہ/ٹیموں کو اودھ انکیوبیشن فاؤنڈیشن کے تحت انکیوبیٹیز کے طور پر شامل کیا جائے گا۔ اس اقدام کے ذریعے انہیں آئندہ مرحلے میں ماہرین کی رہنمائی میں جدید وسائل تک رسائی، نیٹ ورکنگ کے مواقع اور اسٹارٹ اپ کے قیام و فروغ کے لیے ہر ممکن تعاون فراہم کیا جائے گا تاکہ ان کے تخلیقی آئیڈیاز کو کامیاب کاروباری منصوبوں میں تبدیل کیا جا سکے۔ مجموعی طور پر یہ پروگرام یونیورسٹی میں اختراع، تحقیق اور اسٹارٹ اپ کلچر کو فروغ دینے کی جانب ایک اہم اور موثر قدم ثابت ہوا۔ اس طرح کی سرگرمیاں نہ صرف طلبہ کی عملی و فکری صلاحیتوں کو نکھارتی ہیں بلکہ ایک مضبوط اور فعال اسٹارٹ اپ ایکوسسٹم کی تشکیل میں بھی کلیدی کردار ادا کرتی ہیں جو مستقبل میں خود کفیل اور بااختیار نوجوان نسل کی تعمیر میں معاون ثابت ہوگا۔ اس پروگرام کی نظامت ڈاکٹر رضا انتوی اور شکریہ کے کلمات آفرین نے ادا کی۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار، کنٹرولر آف ایگزامینیشن وکاس کمار اور فنانس افسر مالیہ مسز مجیبہ گپتا اور اساتذہ ڈاکٹر ہیمنت کمار سنگھ، ڈاکٹر روچیتا سجائے چودھری، ڈاکٹر رضا عباس حیدری، ڈاکٹر شان فاطمہ، ڈاکٹر سید اصغر حسین رضوی، ڈاکٹر آصف جعفری، ڈاکٹر عظیم رستوگی، ڈاکٹر آر۔ آر۔ اوتھی اور ڈاکٹر آنند کمار کے علاوہ طلبا کی کثیر تعداد موجود تھے۔

خواجہ یونیورسٹی میں 'آئیڈیاز ٹو امپیکٹ' عنوان سے ہیکتھان کا انعقاد

مقابلہ میں نمایاں کارکردگی کا مظاہرہ کرنے والے طلبا انعامات سے سرفراز

لکھنؤ (پریس ریلیز) خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں اودھ انکیوبیشن فاؤنڈیشن کے زیر اہتمام اٹل ہال میں آئیڈیاز ٹو امپیکٹ کے عنوان سے ہیکاتھون کا انعقاد کیا گیا۔ اس ہیکاتھان میں چار شہروں کے چودہ مختلف تعلیمی اداروں سے تقریباً 150 طلبا نے اپنے تخلیقی اور اختراعی آئیڈیاز کے ساتھ شرکت کی۔ اس موقع پر اے آئی ایف کے وائس چیئرمین پروفیسر حیدر علی نے کہا کہ اس پروگرام کا بنیادی مقصد نوجوانوں میں تخلیقی سوچ کو فروغ دینا، انہیں عملی مسائل کے حل کے لیے تیار کرنا اور ان کے اندر انٹرپرینیورشپ کے رجحان کو مستحکم کرنا ہے۔ انھوں نے واضح کیا کہ آج کا دور صرف معلومات حاصل کرنے کا نہیں بلکہ اس معلومات کو بروئے کار لا کر نئے مواقع پیدا کرنے کا ہے۔ ایسے میں ہیکاتھون ایک ایسا پلیٹ فارم فراہم کرتا ہے جہاں طلبہ اپنے نظریاتی علم کو عملی تجربے میں تبدیل کرتے ہیں، ٹیم کی صورت میں کام کرنا سیکھتے ہیں اور محدود وقت میں موثر حل پیش کرنے کی صلاحیت پیدا کرتے ہیں۔ اس تقریب کی صدارت لینگویج یونیورسٹی وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے کی۔

مقابلے میں نمایاں کارکردگی کا مظاہرہ کرنے والوں کو انعامات سے نوازا گیا جہاں اول، دوم اور سوم پوزیشن حاصل کرنے والوں کو بالترتیب 5000 روپے، 3000 روپے اور 2000 روپے کی نقد انعامی رقم کے ساتھ توصیفی اسناد (سرٹیفکیٹس) بھی پیش کیے گئے۔ خصوصی طور پر منتخب کیے گئے طلبہ اور ٹیموں کو اودھ انکیوبیشن فاؤنڈیشن کے تحت "انکیوبیٹیز" کے طور پر شامل کیا جائے گا۔ اس پروگرام کی نظامت ڈاکٹر رضا انتوی اور شکریہ کے کلمات آفرین نے ادا کی۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار، کنٹرولر آف ایگزامینیشن وکاس کمار اور افسر مالیہ مسز مجیبہ گپتا اور اساتذہ ڈاکٹر ہیمنت کمار سنگھ، ڈاکٹر روچیتا سجائے چودھری، ڈاکٹر رضا عباس حیدری، ڈاکٹر شان فاطمہ، ڈاکٹر سید اصغر حسین رضوی، ڈاکٹر آصف جعفری، ڈاکٹر عظیم رستوگی، ڈاکٹر آر۔ آر۔ اوتھی اور ڈاکٹر آنند کمار کے علاوہ طلبا کی کثیر تعداد موجود تھی۔

تقریری مقابلہ میں عابدہ نے پہلا اور گوری نے حاصل کیا دوسرا مقام

لکھنؤ۔ (نامہ نگار) وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا کی رہنمائی میں خواجہ یونیورسٹی میں اوڈیشہ کے یوم تاسیس کے موقع پر ریاست کے سماجی، ثقافتی، تاریخی، سائنسی اور دیگر نوع شخصیات کے عنوان پر ایک تقریری مقابلے کا انعقاد کیا گیا۔ مقابلہ میں عابدہ مریم نے پہلی اور گوری مشرا نے دوسری اور روبی یادو اور حسن نے تیسری پوزیشن حاصل کی۔ پروگرام کا بنیادی مقصد طلباء میں حب الوطنی، ثقافتی بیداری اور اظہار خیال کی صلاحیتوں کو فروغ دینا تھا۔ لیگل اسٹڈیز، سوشیالوجی، فارمیسی، ہندی، انگلش، ایجوکیشن، پولیٹیکل سائنس، بی ایڈ اور عربی سمیت مختلف شعبوں کے طلباء نے جوش و خروش سے حصہ لیا۔ ڈاکٹر حیدر مہدی اور ڈاکٹر انو یادو نے جیوری میں کلیدی کردار ادا کیا۔ اس پروگرام کی نظامت پروفیسر چندا دیوے، ڈین فیکلٹی آف سوشل سائنسز نے کی۔ اس پروگرام کو کلچرل کمیٹی کی چیئرپرسن ڈاکٹر نلنی مشرا کے ساتھ ڈاکٹر سوچیتا گروال، ڈاکٹر صائم علیم، ڈاکٹر ابھیکار سنگھ، ڈاکٹر محمد عرفان اور ڈاکٹر ضیا جعفری نے مربوط کیا۔

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में आइडियाज टू इम्पैक्ट 2026 हैकाथॉन संपन्न, युवाओं ने दिखाए नवाचार के रंग

(एस एस बुलेटिन)

लखनऊ । ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन (।थ्) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "पकमें जव प्उचंबज 2026रू प्ददवअंजपवद भ्ंबांजीवद" का भव्य समापन विश्वविद्यालय के अटल हॉल में हुआ। इस आयोजन ने न केवल नवाचार को मंच दिया, बल्कि युवा उद्यमियों को अपने सपनों को हकीकत में बदलने का अवसर भी प्रदान किया।

प्रमुख उपलब्धियां और प्रतिभागी

इस हैकाथॉन में 5 अलग-अलग शहरों के 14 प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों से आए लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। युवाओं ने डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, इंडस्ट्री 4.0, फिनटेक, और ग्रीन एंटरप्राइजेज जैसे समसामयिक विषयों पर अपने क्रांतिकारी स्टार्टअप मॉडल्स और तकनीकी प्रोटोटाइप का प्रदर्शन किया।

कुलपति का संबोधन

आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा ऐसे आयोजन युवाओं की रचनात्मकता को नई उड़ान देते हैं। यह नवाचार-आधारित कार्यक्रम सरकार की स्वरोजगार अवधारणा को सशक्त बनाने और श्आत्मनिर्भर भारतश के निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे।

विजेताओं को मिला सम्मान

विशेषज्ञों के कड़े मूल्यांकन के बाद विजेताओं की घोषणा की गई। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को क्रमशः 5000, 3000 और ₹2000 की पुरस्कार राशि के साथ प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

भविष्य का समर्थन

इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि चयनित टीमों को अवध इन्क्यूबेशन फाउंडेशन (।थ्) के अंतर्गत 'इन्क्यूबेटीज' के रूप में शामिल किया जाएगा। इससे उन्हें भविष्य में प्रोफेशनल मेंटरशिप, तकनीकी संसाधन और स्टार्टअप सपोर्ट मिल सकेगा।

कार्यक्रम में प्रो. सैयद हैदर अली (उपाध्यक्ष, AIF), डॉ. दुआ नकवी (ब्म्व्, ।थ्) सहित विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ शिक्षाविद और उद्योग जगत के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

लोकसभा मे सांसद उज्ज्वल ने उठाया छोटे व्यापारियो की गिरती आर्थिक स्थिति का मुद्दा

प्रयागराज। लोकसभा में शुक्रवार को बजट सत्र के दौरान इलाहाबाद लोकसभा सीट के सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने छोटे और मध्यम श्रेणी के व्यापारियों की गिरती आर्थिक स्थिति का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया।

लोकसभा में शुक्रवार को बजट सत्र के दौरान इलाहाबाद लोकसभा सीट के सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने छोटे और मध्यम श्रेणी के व्यापारियों की गिरती आर्थिक स्थिति का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि ऑनलाइन व्यापार के बढ़ते प्रभाव पर नियंत्रण के लिए सख्त नियम बनाए जाएं, ताकि पारंपरिक खुदरा व्यापार को बचाया जा सके।

सांसद प्रतिनिधि विनय कुशवाहा के अनुसार, ऑनलाइन कारोबार और बढ़ते मॉल कल्चर ने स्थानीय व्यापारियों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। सदन को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि आज ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के कारण घर बैठे सामान उपलब्ध हो रहा है, जिससे छोटे दुकानदारों की बिक्री पर सीधा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की कमी के कारण छोटे व्यापारी बैंकों और थोक विक्रेताओं के कर्ज में दबते जा रहे हैं।